माल्टा का सेंट जॉन्स को-कथीड्रल (बड़ा गिरिजा घर) यूरोप में हाई बरोक शिल्प का बेहतरीन नमूना तथा विश्व के महानतम कथीड्रल में एक माना जाता है। अति अलंकृत चर्च की अंदरुनी दीवारों पर बारीक नक्काशी है और छत पर भी बेहतरीन चित्रकारी है, जिसमें जॉन द बैपटिस्ट के जीवन से जुड़ी घटनाओं को चित्रित किया गया है। पर सबसे ज्यादा कलात्मक और महत्वपूर्ण विशेषता है चर्च का मार्बल का फर्श जो असल में टूम्ब स्टोन्स (कब्र पर लगाए जाने वाले यादगारी पत्थरों) से बना है। ये टूम्ब स्टोन माल्टा की तत्कालीन शासन व्यवस्था, ऑर्डर ऑफ सेंट जॉन के विभिन्न सामन्तों व अधिकारियों के मकबरों से लिए गए हैं। हरेक टूम्ब स्टोन पर एक रंगीन मार्बल लगा है जिस पर सामंत का दर्जा उकेरा हुआ है। यरुशलम के ऑर्डर ऑफ द सेंट जॉन के नाइट्स (शूरवीर) यूरोप के सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवारों में गिने जाते थे और उनका उद्देश्य था कैथलिक मत को मुस्लिम ताकतों से बचाना। ये नाइट्स सन् 1530 में माल्टा आए थे, क्योंकि सन् 1522 में तुर्कों ने उनके गृह क्षेत्र रोड्स से उन्हें निकाल दिया था। माल्टा को अपना नया गढ़ बनाने के बाद भी नाइट्स ने लगातार तुर्कों, और खासकर बार्बरी पाइरेट्स से संघर्ष जारी रखा। इस बात से नाखुश तुर्की के ऑटोमन सुल्तान "सुलेमान द मैग्नीफिसैंट" ने सन् 1565 में 40,000 सैनिकों की सेना भेजी माल्टा पर हमला करने के लिए। तुर्की की सेना ने माल्टा को घेर लिया। इस घटना को "ग्रेट सीज़" कहा जाता है। माल्टा की सेना में 6000 सैनिक ही थे जिसमें से आधे नागरिक थे और सिर्फ 500 ही नाइट्स थे। माल्टा की सेना ने कड़ी टक्कर दी, और युद्ध में अधिकांश नाइट्स शहीद हो गए। बाद में पड़ोसी राज्यों की मदद से माल्टा ने तुर्की को हरा दिया। सन् 1565 की "ग्रेट सीज़" में जो नाइट्स मारे गए थे उन्हें मूलतः फोर्ट सेंट ऐन्जलो में दफनाया गया था। पर बाद में उन्हें कथीड्रल ऑफ सेंट जॉन में हस्तांतरित कर दिया गया। सबसे पुरानी कब्र सन् 1606 की है, जो चर्च खुलने के 25 साल बाद यहाँ लाई गई थी। उन्नीसवीं सदी तक यहां शव दफनाए जाते थे। आज यह कथीड्रल माल्टा का प्रमुख पर्यटन आकर्षण है और माल्टा के, नैशनल इन्वैंटरी ऑफ द कल्चरल प्रॉपर्टी में भी अधिसूचित है।

मंत्रिमण्डल विस्तार करते ही मुख्यमंत्री येदियुरप्पा की मुश्किलें और बढ़ीं

कई पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि येदियुरप्पा एक सी.डी. से ब्लैकमेल हो रहे हैं तथा इस ब्लैकमेलिंग में शामिल लोगों को ही मंत्री बनाया है

- **पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कर्नाटक भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.पी. यत्नाल ने मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और उनके परिवार पर कर्नाटक भाजपा को हाईजैक करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे राज्य को येदियुरप्पा परिवार के वंशवाद की राजनीति से मुक्त करायें।**

बेंगलुरु, 13 जनवरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने 17 महीने बाद अब जाकर मंत्रिमंडल का विस्तार किया, अपनी ही पार्टी में बहुत पहले से ही विरोध झेल रहे येदियुरप्पा की मुश्किलें मंत्रिमंडल विस्तार के कारण कम होने की बजाय और बढ़ गईं हैं। बुधवार को मंत्रिमंडल के सात नए सदस्यों की घोषणा किए जाने के बाद राज्य भाजपा में नाराजगी की स्थिति पैदा हो गई है।

येदियुरप्पा ने बुधवार को दिन में विधायकों उमेश कट्टी, अरविंद लिम्बावली, मुरुगेश निरानी, सी.पी. योगेश्वर, एस. अंगारा और एमएलसी एम.टी.बी. नागराज और आर. शंकर को मंत्री पद की शपथ दिलाने की घोषणा की है। इसके बाद मंत्री पद पाने के इच्छुक कुछ भाजपा विधायकों ने नाराजगी जाहिर की है। येदियुरप्पा की आलोचना करने वाले विजयपुरा सिटी के विधायक बी. पाटिल यत्नाल ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे वरिष्ठता और ईमानदारी को ध्यान में रखे बगैर ब्लैकमेल होकर नियुक्तियां कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर कर्नाटक भाजपा को हाईजैक करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे राज्य को येदियुरप्पा परिवार के वंशवाद की राजनीति से मुक्त कराएं।

सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायकों ने विधान परिषद (एमएलसी) को मंत्री बनाए जाने, कुछ क्षेत्रों के प्रतिनिधित्व में कमी और उनकी वरिष्ठता और काम पर ध्यान नहीं दिए जाने को लेकर नाराजगी जताई। राज्य में ज्यादातर मंत्री बेंगलुरु और बेलगावी जिलों से हैं।

यत्नाल ने कहा, मुख्यमंत्री ब्लैकमेल करने वालों को मंत्री बना रहे हैं। तीन लोग एक राजनीतिक सचिव और दो मंत्री पिछले तीन महीने से येदियुरप्पा को सीडी के माध्यम से ब्लैकमेल कर रहे हैं। "उन्होंने कहा, उनमें से एक आज मंत्री बनेगा, सीडी से ब्लैकमेल के अलावा विजयेन्द्र (मुख्यमंत्री के पुत्र) को धन देना भी शामिल है।" विजयपुरा में पत्रकारों से बातचीत में यत्नाल ने दावा किया कि येदियुरप्पा को ब्लैकमेल कर रहे तीन लोगों ने चार महीने पहले उनसे मुलाकात कर उन्हें पद से हटाने की योजना बनाई थी। गौरतलब है कि यत्नाल कह चुके हैं कि वे येदियुरप्पा मंत्रिमंडल में मंत्री पद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं आपको (युदियुरप्पा) मकर संक्राति से पहले चुनौती देता हूं कि उत्तरायण से आपका (राजनीतिक) अंत शुरू हो जाएगा और प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के नेतृत्व में कर्नाटक में नया अध्याय शुरू होगा।"

भूमि को अवैध तरीके से गैरअधिसूचित करने के मामले में येदियुरप्पा के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करने वाली याचिका उच्च न्यायालय द्वारा खारिज किए जाने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री के इस्तीफो की मांग की है। पार्टी और पार्टी नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से टिप्पणी को लेकर भाजपा नेतृत्व से चेतावनी के बावजूद यत्नाल ने यह बयान दिया है। ब्लैकमेल का संदर्भ देते हुए मंत्री पद के इच्छुक एम.एल.सी.ए.एच. विश्वनाथ ने येदियुरप्पा पर वादा नहीं निभाने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि विश्वनाथ कांग्रेस-जदएस से 2019 में इस्लाफा देकर भाजपा में शामिल होने वाले 17 विधायकों में से एक हैं।

उन्होंने सवाल किया कि आबकारी मंत्री एच.नागेश को क्यों हटाया गया है और आरआर नगर से विधायक मुनिरत्न को मंत्रिमंडल में क्यों शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, उनके बलिदान के कारण ही आप मुख्यमंत्री हैं... इसके बावजूद और योगेश्वर को मंत्री बना रहे हैं, जिनके खिलाफ धोखाधड़ी और ठगी का मामला दर्ज है। "उन्होंने सवाल किया, आप उन्हें मंत्री क्यों बना रहे हैं, क्या वे आपको ब्लैकमेल कर रहे हैं?" मंत्री पद के इच्छुक, होन्नाली से विधायक और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव एम. पी.रेणुकाचार्य ने भी नाखुशी जताते हुए कहा कि सरकार सिर्फ दो जिलों तक सीमित है और मुख्यमंत्री तथा पार्टी के नेताओं को इसपर ध्यान देना चाहिए।

प्रदेश भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की गई शिकायतों पर चर्चा की। कुछ लोगों का कहना है कि हाल ही में 'टीम वसुंधरा राजे' नाम से जो एक अलग मंच बनाया गया है, उसको लेकर भी राष्ट्रीय नेतृत्व ने इनसे बातचीत की है।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही एक निजी टीवी चैनल के संवाददाता के साथ बात करते हुए राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने कहा था कि टिकट बंटवारे में छोटी-मोटी गड़बड़ नहीं होती तो निकाय चुनाव में भाजपा और ज्यादा बेहतर परिणाम हासिल कर सकती थी। इससे पहले सोमवार को देर शाम राज्यसभा सांसद मीणा ने भाजपा अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां से उनके घर पर करीब-करीब एक घंटे तक मुलाकात की थी, जिसके अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं। बहरहाल उक्त नेताओं के द्वारा अगर शिकायत की गई है और तो उसका परिणाम भविष्य में क्या होगा, यह कहना फिलहाल जल्दबाजी होगा।

सेना में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने याचिका में 5-जजों वाली संविधानपीठ के 27 सितम्बर 2018 के फैसले को चुनौती दी है जिसमें ब्रिटिशकालीन कानून इंडियन पीनल कोड की धारा 497 को समाप्त कर व्यभिचार को गैर आपराधिक कृत्य की श्रेणी में ला दिया था। कोर्ट ने उक्त कानून को असंवैधानिक, प्राचीन व स्पष्ट रूप से मनमाना करार दिया था। न्यायाधीश रोहिंटन फली नरीमन ने कहा कि महिलाओं के साथ "पक्षपात" व्यवहार नहीं किया जा सकता है।

विवादित कृषि...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देश में खुशहाली व समृद्धि बढ़ाएंगे। उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कहा कि इन त्यौहारों को उनके रंग रूप के लिए जाना जाता है और अच्छी फसल व प्रकृति की उदारता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर वैश्विक सुख शांति एवं सबके स्वस्थ रहने की प्रार्थना की।

जहरीली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सरपंच रोहतम कुशवाह के भाई थे। घटना की सूचना मिलते है थानाधिकारी जमील खान ने गंभीर रुप से बीमार लोगों को ग्रामीणों की मदद से रुपबास के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने रंजीत पुत्र पूरन सिंह, संतोष पुत्र छोटे लाल, कम्पोटर पुत्र छोटे लाल, लल्लू पुत्र सोबरन, मांगीलाल पुत्र लोहरे राम व राजेश पुत्र चन्दन सिंह की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें भरतपुर रैफर कर दिया, लेकिन भरतपुर ले जाते वक्त प्रीतम और मांगीलाल की मौत हो गई, जबकि कम्पोटर ने भरतपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ा। पुलिस ने मृतकों के शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। घटना के बाद से ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच रोहतम पुत्र धर्म सिंह निवासी चकसामरी ने थाने में तहरीर दी है। गांव के करीब एक दर्जन युवाओं ने बीतीरात को अवैध हथकड़ देशी शराब का सेवन किया था, जिसमें कई लोग गम्भीर रूप से बीमार हो गए। जानकारी मिलने पर जिला कलैक्टर नथमल डिडेल आरबीएम चिकित्सालय पहुंचे और गंभीर रोगियों को दिए जा रहे उपचार के बारे में जानकारी ली।

'जन प्रतिनिधियों, सांसदों और विधायकों को भी वैक्सीन लगाई जाये'

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री नारायणसामी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर यह मांग की

- **नारायणसामी ने कहा है कि आम जनता में वैक्सीन के प्रति विश्वास उत्पन्न करवाने के लिए यह कदम उठाने की सख्त आवश्यता है।**
- **कई विशेषज्ञ भी इस बात की चर्चा कर रहे हैं कि जन प्रतिनिधियों का काम भी बहुत वृहद् स्तर का है तथा उन्हें अपने नाम के सिलसिले में रोजाना कई लोगों से मिलना पड़ता है तथा यहां-वहां की यात्रायें करनी पड़ती हैं, अतः जन प्रतिनिधियों को भी जल्द से जल्द वैक्सीन लगाया जाना आवश्यक है।**

नई दिल्ली, 13 जनवरी। 16 जनवरी से देश में वैक्सीनेशन अभियान की शुरुआत होने जा रही है। सेंटरों पर टीके पहुंचाए जा रहे हैं, सरकार ने सबसे पहले यह वैक्सीन स्वास्थ्यकर्मियों तथा फ्रंट पोस्ट वर्कर्स को देने की योजना बनाई है। इस बीच पुड्डुचेरी के मुख्यमंत्री वी.नारायणसामी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। इसमें उन्होंने पहले चरण में राजनीतिक दलों के नेताओं, मंत्रियों और विधायकों को भी वैक्सीन लगाने की अनुमति देने की गुजारिश की है।

नारायणसामी ने इसके लिए दलील भी दी है। उन्होंने कहा, "मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखा है कि वे राजनीतिक दलों के नेताओं, मंत्रियों और विधायकों को पहले चरण में वैक्सीनेशन करने की अनुमति दें और एक उदाहरण स्थापित करें ताकि लोगों में विश्वास हो सके।"

गौरतलब है कि भारत में 16 जनवरी से मेगा वैक्सीनेशन अभियान शुरू होने वाला है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के करोना वायरस वैक्सीन की पहली खेप कोविशिल्ड को मंगलवार को पुणे से देश के 13 स्थानों पर पहुंचाया गया। कोविशिल्ड भारत में दो करोना वायरस वैक्सीन्स में से एक है जिन्हें आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण के लिए मंजूरी दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले कहा था कि वैक्सीनेशन के पहले चरण में लगभग तीन करोड़ स्वास्थ्य कर्मियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, "दूसरे चरण में, 50 साल से अधिक उम्र के और सह-रुग्ण परिस्थितियों वाले 50 साल से कम उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाया जाएगा।" कई विशेषज्ञ भी इस बात की चर्चा कर रहे हैं कि जन प्रतिनिधियों का काम भी बहुत वृहद् स्तर का है तथा उन्हें अपने नाम के सिलसिले में रोजाना कई लोगों से मिलना पड़ता है अत: जन प्रतिनिधियों को भी वैक्सीन लगाई जाये।

एलन के 3 छात्र ऑक्सफोर्ड

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के ग्रेजुएशन प्रोग्राम के लिए सफलता प्राप्त की है। ओजस व तेजस मित्तल का मैथेमेटिक्स में तथा अश्वत जैन का फिजिक्स में चयन हुआ है।

माहेश्वरी ने बताया कि ऑक्सफोर्ड एंट्रेंस एग्जाम दुनिया के बेस्ट एग्जाम्स में से एक है। भारतीय विद्यार्थियों की सफलता की दर 4 प्रतिशत है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 17 प्रतिशत विद्यार्थियों को सफलता मिल पाती है।

इसलिए महत्वपूर्ण है परिणाम:- माहेश्वरी ने बताया कि इस परीक्षा के लिए विद्यार्थियों की पात्रता कक्षा 9 से 12 तक के परिणाम पर निर्भर करती है। इन कक्षाओं में करीब 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को परीक्षा में शामिल किया जाता है। पहले लिखित परीक्षा होती है, जिसमें सैद्धांतिक प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में चयनित होने के बाद इंटरव्यू में ऑक्सफोर्ड के एक्सपर्ट्स सब्जेक्ट से संबंधित सवाल पूछते हैं। लाइव इंटरव्यू में एक स्टूडेंट का 4 एक्सपर्ट् करीब 1 घंटे तक इंटरव्यू करते हैं। इसके बाद अकेडमिक्स, लिखित परीक्षा और इंटरव्यू बेस पर परिणाम जारी कर प्रवेश के लिए योग्य घोषित किया जाता है।

पोल्ट्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी हो तो उस पर पुनर्विचार करें क्योंकि इससे मुर्गी पालन उद्योग पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इसके बजाय, यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि यह संक्रमण कुक्कुटों में नहीं फैलता। विभाग ने कहा कि कुक्कुटों तथा उनके उत्पादों की सप्लाई पर रोक लगाने से मुर्गी पालकों को भारी आर्थिक नुकसान होगा।

राज्यों से कहा गया है कि वे इनकी सप्लाई पर रोक लगाने के बजाय, इस बारे में एडवाइज़री जारी करें कि कुक्कुटों तथा अंडों के उपभोग के संबंध में क्या किया जाना चाहिए तथा क्या नहीं, जिससे अफवाहों तथा भ्रामक जानकारियों के प्रसार से बचा जा सके, क्योंकि इस विषय में फैलने वाली अफवाहों से भी कुक्कुट पालकों को आर्थिक नुकसान पहुंचता है।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने 17 राज्यों के अधिकारियों के साथ एक कॉन्फ्रैंस की तथा उन्हें सलाह दी कि वे कार्य योजना, 2021 के अनुसार, इस बीमारी के प्रकार को कारगर तरीके से संभाले। उनमें यह भी कहा गया कि वे इससे बचाव करने से संबंधित साज-सामान की यथेष्ट आपूर्ति बनाये रखें, कुक्कुट पालन स्थलों पर जैव-सुरक्षा मानदण्डों का खयाल रखें तथा स्वास्थ्य एवं वन विभागों के साथ समन्वय बनाये रखें।

आने वाले दिनों में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डोटासरा से चर्चा की और उनसे वर्तमान हालातों पर पूरा फीडबैक लिया। इस फीडबैक के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ में लंबी चर्चा की, क्योंकि अभी राजस्थान में सत्ता का केंद्र अशोक गहलोत हैं और कांग्रेस संगठन का नेतृत्व गोविंद सिंह डोटासरा कर रहे हैं।

इन दोनों से चर्चा करने के बाद पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के साथ चर्चा किया जाना स्पष्ट रूप से यह राजनीतिक संदेश है कि जो बातें मुख्यमंत्री गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा से हुई चर्चा में निकली है,उनके बाद पायलट से भी उनकी चर्चा की गई है। यानी कि तीनों नेताओं से चर्चा के बाद केसी वेणुगोपाल जो भी रिपोर्ट या फीडबैक कांग्रेस आलाकमान यानी कि गांधी परिवार को देंगे, उसके अनुरूप ही आने वाले दिनों में राजस्थान में कांग्रेस की सत्ता और संगठन में परिवर्तन या कार्य देखने को मिलेंगे।

वैसे तो के.सी. वेणुगोपाल ने मीडिया से बात करते हुए पार्टी की आंतरिक राजनीतिक पर चर्चा के लिए स्वयं के जयपुर आने से इन्कार किया है, लेकिन सिर्फ तीन प्रमुख नेताओं से उनकी चर्चा होना स्पष्ट संकेत है कि आने वाले डेढ़ से 2 महीनों के दौरान राजस्थान में ना सिर्फ मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल होना निश्चित है, बल्कि राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी बड़ा निर्णय हो चुका है, जिस पर अब क्रियान्वयन होना बाकी है।

एआईसीसी के संगठन महासचिव वेणुगोपाल अपना राजनीतिक काम पूरा करके दिल्ली लौट चुके हैं और 15 जनवरी को होने वाले किसान आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस के धरने में प्रभारी अजय माकन आने वाले हैं। ऐसे में कुछ सवालों के जवाब माकन की यात्रा से भी मिलेंगे, तो कुछ सवाल और कयासों के जवाब आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन के कार्यों में भी देखने को मिलेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि वेणुगोपाल की यात्रा आखिरकार किस संदर्भ में थी।

रिश्वत खोरी

- **जयपुर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने दौसा और बांदीकुई के एस.डी.एम. को रिश्वत खोरी के मामले में गिरफ्तार किया है।**

दौसा, 13 जनवरी (निसं)। जयपुर के एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की टीम ने बुधवार को जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुये दौसा उपखण्ड अधिकारी पुष्कर मित्तल को निर्माण एजेन्सी से ली गई 5 लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगे हाथों तथा उपखण्ड अधिकारी बांदीकुई पिंकी मीणा को 10 लाख की रिश्वत मांगे जाने के आरोप में गिरफ्तार किया। उधर एसीबी की दूसरी टीम ने जयपुर से प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की दलाली करने के आरोप में दौसा के समीप पैट्रोल पम्प चलाने वाले नीरज मीणा को गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली से मुम्बई एक्सप्रेस हाईवे का निर्माण करने वाली निर्माण एजेन्सी ने 17 दिसंबर को एबीसी में जिले के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत की थी। शिकायत की सत्यापन करने एवं भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई किये जाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरोत्तम वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने उक्त शिकायत का सत्यापन करने के साथ ही प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किये जाने के लिए जाल बिछाया।

बुधवार को वर्मा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने सिविल लाइंन में उपखण्ड अधिकारी पुष्कर मित्तल को 5 लाख रुपये की रिश्वत राशि के साथ रंगें हाथों गिरफ्तार कर लिया तथा दूसरी टीम ने बांदीकुई उपखण्ड अधिकारी पिंकी मीणा को बांदीकुई से 10 लाख रुपये की रिश्वत मांगे जाने के आरोप में गिरफ्तार किया।

'कोवैक्सीन' की पहली खेप रवाना

नयी दिल्ली, 13 जनवरी (वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक ने देश की पहली पूर्ण स्वदेशी करोना वैक्सीन 'कोवैक्सीन' की पहली खेप को आज रवाना कर दिया। कंपनी ने आज यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि यह गर्व और उपलब्धि का क्षण है जब भारत बायोटेक से कोवैक्सीन की पहली खेप रवाना की गयी। गौरतलब है कि पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कोविशील्ड की पहली खेप 12 जनवरी को अपने संयंत्र से रवाना कर दी थी।

करोना वैक्सीन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एशिया की फ्लाइट से जयपुर व उदयपुर पहुंची। इसके बाद इन्हें भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्टेट वैक्सीन स्टोरेज सैन्टर्स पर पहुंचाया गया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ.रघु शर्मा ने बताया कि बुधवार को सुबह भारत बायोटेक लिमिटेड द्वारा बनाई गई कोवैक्सिन की 20,000 डोज मिली। इसके बाद शाम को पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड वैक्सीन की 37 बॉक्स में 4,43,000 व उदयपुर में 1,00,500 डोजेज पहुंची।

इसके साथ ही प्रदेश में कुल 5 लाख 63 हजार 500 डोजेज प्राप्त हुई हैं। कोविशील्ड की एक वॉयल में 10 डोज जबकि एवं कोवैक्सीन की वॉयल में 20 डोज है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 3 करोड़ से अधिक वैक्सीन डोजेज सुरक्षित रखने की क्षमता उपलब्ध है। चिकित्सा विभाग के सचिव सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि प्रदेश में 16 जनवरी से शुरू होने वाला कोरोना वैक्सीनेशन अब पूर्व में प्रस्तावित 282 सैशन साइट की बजाय 161 सेंटर्स पर होगा। आगामी 16 जनवरी को टीकाकारण का काम प्रधानमंत्री द्वारा शुभारम्भ कार्यक्रम के समापन के बाद शुरू किया जाएगा।

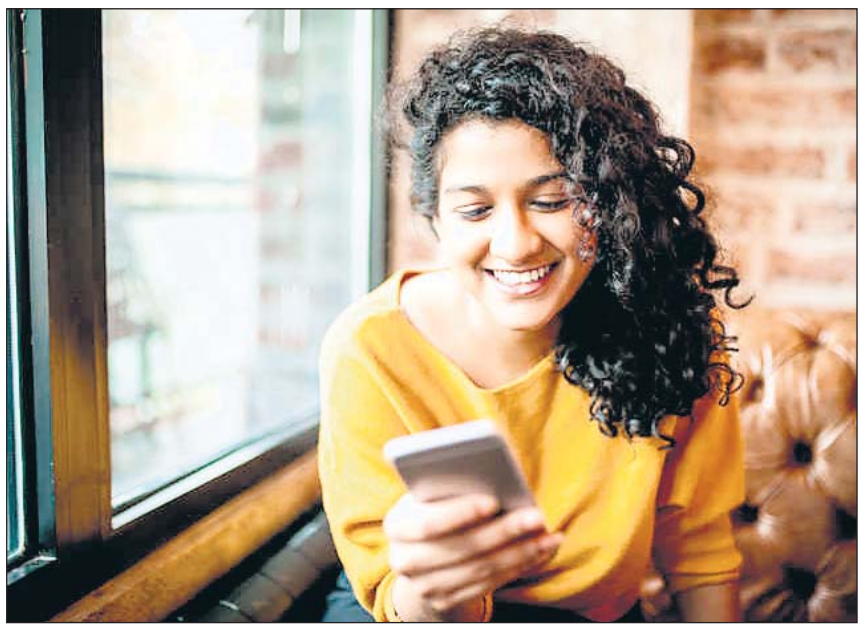

आमतौर पर स्मार्ट फोन के ज्यादा इस्तेमाल का सम्बंध मानसिक तनाव और एंग्ज़ायटी से जोड़ा जाता है लेकिन टैक्नॉलजी, माइन्ड एण्ड बिहेविअर पत्रिका में छपे एक शोध में लैंकैस्टर युनिवर्सिटी की हैदर शॉ व क्रिस्टोफर गेयर तथा युनिवर्सिटी ऑफ बाथ व युनिवर्सिटी ऑफ लिंकन के उनके सहयोगियों ने पता लगाया कि स्मार्ट फोन पर बिताए गए समय का खराब मानसिक स्थिति से कोई सम्बंध नहीं है। शोधकर्ताओं ने एक सप्ताह तक, 199 आई फोन यूज़र्स और 46 एंड्रॉइड यूज़र्स का स्मार्ट फोन पर बिताया गया समय नापा। शोध में भागीदार इन लोगों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की जांच भी की गई थी। यहीं नहीं, उनसे पूछा गया कि वे अपने स्मार्ट फोन इस्तेमाल को कितना समस्याकारक मानते हैं। मुख्य शोध लेखक हैदर शॉ ने कहा कि "व्यक्ति रोजाना स्मार्ट फोन पर जो समय व्यतीत करता है वह एंग्ज़ायटी, डिप्रैशन या स्ट्रैस के लक्षणों का कारक नहीं है।" इसके अलावा जो लोग चिकित्सकीय दृष्टि से एंग्ज़ायटी या अवसाद रोग से ग्रस्त पाए गए वो स्मार्ट फोन का उपयोग उन लोगों से ज्यादा नहीं कर रहे थे जो मानसिक दृष्टि से बिल्कुल स्वस्थ पाए गए। युनिवर्सिटी ऑफ बाथ के डॉ. डेविड एलिस ने कहा कि "आज के दौर में तो मोबाइल तकनीक और ज्यादा जरुरी हो गई है। हमारी रिसर्च कहती है कि स्क्रीन टाइम घटाना लोगों को ज्यादा खुशहाल नहीं बनाता है।"

गैस सिलेण्डर की सब्सिडी बंद करने से कालाबाजारी भी कम हुई

सब्सिडी बंद होने के कारण घरेलू गैस सिलेण्डर की मांग कमजोर पड़ गई है तथा सिलेण्डर मिलना सुलभ हो गया है

- **तेल एवं गैस कंपनियों का इस बारे में कहना है कि पहले सब्सिडी के चलते घरेलू सिलेण्डर की ज्यादा मांग होती थी लेकिन अब कॉमर्शियल सिलेण्डर की मांग बढ़ रही है, क्योंकि अब बचत और कालाबाजारी का खेल कम हो गया है।**

नई दिल्ली, 13 जनवरी। घरेलू रसोई गैस सिलेंडर पर सब्सिडी खत्म होने का असर दिखने लगा है। पिछले कुछ माह में घरेलू गैस सिलेंडर की मांग पर असर पड़ा है। घरेलू गैस सिलेंडर की मांग धीमी हुई है। वहीं, गैर घरेलू गैस सिलेंडर की मांग बढ़ी है। जानकार मानते हैं कि सब्सिडी खत्म होने की वजह से घरेलू सिलेंडर की मांग कमजोर पड़ी है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सब्सिडी खत्म होने से घरेलू गैस सिलेंडर की मांग पर असर पड़ा है। एलपीजी उपभोक्ता को सब्सिडी पर एक साल में एक दर्जन सिलेंडर मिलते थे, जबकि उसका खर्च कम था। ऐसे में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को बल मिलता था। क्योंकि सब्सिडी और गैर सब्सिडी सिलेंडर की कीमत में फर्क था।

सब्सिडी खत्म होने के बाद सिलेंडर की कीमत में फर्क खत्म हो गया। इससे गैर सब्सिडी सिलेंडर की मांग बढ़ गई। पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ के मुताबिक अगस्त माह में वाणिज्यिक सिलेंडर की मांग पिछले साल के मुकाबले 43 फीसदी कम थी, जो नवंबर में वर्ष 2019 के मुकाबले सिर्फ 15 फीसदी कम रह गई।

घरेलू गैस सिलेंडर की मांग पिछले साल के मुकाबले नवंबर में बढ़ी है। क्योंकि इस अवधि में 60 लाख से अधिक नए गैस कनेक्शन और 44 लाख उपभोक्ताओं को दूसरा सिलेंडर आवंटित किया गया। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल से अगस्त तक घरेलू गैस सिलेंडर की मांग में 14.6 फीसदी का इजाफा हुआ था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908